Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अनुवाद और रोजगार के अवसर

डॉ.गणेश दुंदा गभाले
आर्टस, कॉमर्स अँड सायन्स कॉलेज,
नागठाणे,ता.जि. सातारा.

शोध सार:

आधुनिक युग वैश्वीकरण का युग है ।वैश्वीकरण के अनुयायी मानते है कि तंत्रज्ञान क्षेत्र के विकास के कारण विश्व ने केन्द्रीय रूप धारण किया है और‘वसुदेव कुटुम्बकम् ’ का सपना साकार हो गया है ।भाषिक विविधता भारतवर्षकी विशेषता है। विभिन्न भाषा-भाषी जनसमुदाय के बीच अंत-संप्रेषण की प्रकिया तथा भावात्मक एकता को बनाये रखनेमें अनुवाद का विशिष्ट योगदान रहाहै। GATT समझौते के बाद वैश्वीकरण की प्रक्रिया अस्तित्व में आई है। इस नई प्रणाली काअसर बड़े पैमाने पर धर्म, रीति-रिवाजों, वित्त, साहित्य, संस्कृति, राजनीति और सामाजिक कारणों पर पड़ा है।सबसे ज्यादा वैश्वीकरण का प्रभाव भाषा तथा साहित्य पर पड़ा है। हालाँकि वैश्वीकरण अर्थशास्त्र और व्यावसायीकरण से जुड़ा है और भाषाएं उसमें दुआ का काम करती हैं । वैश्वीकरण में मूल्य व्यवस्था भारत के कल्याण की दृष्टि से एक अभिलाषा है । वैज्ञानिक युग की मांग है कि प्रामणिक एवं सटीक अनुवाद हो , जिससे वैज्ञानिक सिद्धान्तों कोसहजता से अपना सके। विभिन्न भाषाओं में जो मौलिक ज्ञान भरा पडा है ।उसपर अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान कार्य संपन्न हो रहे हैं। अनुवाद ऐसा क्षेत्र है , जिसमें रोजगार केकई सुअवसरदृष्टिगत होते हैं ।प्रशासकीय कार्यालयोंमेंऑनलाईन तथाऑफलाईन ढंग सेअनुवाद कररोजगारप्राप्त किया जा सकताहै ।आज कईभाषाएँरोजगार के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर परअपना अस्तित्व स्थापित कर रहीं हैं। इंटरनेट ने भाषा परिवर्तन की प्रक्रिया तथा भाषाविज्ञान को नए आयाम दिए हैं , जहां अनुवाद और व्यावहारिक भाषाएं सीखने का कौशल तेजी से पूर्ण हो रहा हैं। आज के संन्दर्भ में रोजगार देनेवालीकिसी भी भाषा को सक्षम माना जाता है। वर्तमान समय में बल दिया जाता है कि किस भाषा में से रोजगार अधिकाधिक किस प्रकार से प्राप्त कर सकते है ? और वह कौन सा साधन है, जिसके जरिए हम सहजता से रोजगार प्राप्त कर सकते है ? तो निश्चितहीइसका जवाबअनुवाद है। भूमंडलीकरण के इस दौर मेंसमूचा विश्व एक बाजार बन गया है। इस बाजारीकरण के कारण ही स्तरीय अनुवाद की मांग बढी है , चाहे वह साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक क्षेत्र हो या जनसंचार का क्षेत्र हो सभीक्षेत्रों में रोजगार के

अवसर उपलब्धहै। भूमंडलीकरण के इस युग में अनुवाद के बल पर विश्व के देशों की सभी सीमाओं को तोड़कर विश्वव्यापी बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है और यह समस्त मानव जाति के हित , कल्याण, प्रेम, सद्भाव, करुणा और मानवता की महान भावनाओं पर आधारित है। अनुवाद से न केवल आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक सांस्कृतिक बदलाव हो रहा है, बल्कि भावनिक परिवर्तन भी हो रहे हैं। साहित्यिक कृतियों के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर पुरस्कार विजेता साहित्यिक कृतियों का अनुवाद करने की आवश्यकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और प्रकाशन गृह अच्छे अनुवादकों की तलाश में हैं। अत: अच्छे, कुशल, ज्ञानी तथा कर्मठ अनुवादकों की मांग बढ़ने से रोजगार के अवसर बढ़ते जा रहे हैं।

उद्देश :1.अनुवाद का स्वरूप और उपयोगिता से परिचय कराना।

2. अनुवाद क्षेत्र में रोजगार से संबंधित जानकारी प्रदान करना।
3. अनुवाद एवं रोजगार का संबंध बताना।
4. भूमंडलीकरण,अनुवाद एवं रोजगार के प्रभाव से अवगत कराना।
5. अनुवादक के गुण एवं कौशलों को दर्शाना।

शोध पद्धतियाँ :

1.सर्वेक्षणात्मक-अनुवाद क्षेत्र में कितने प्रकार के रोजगार उपलब्ध है, उनका सर्वेक्षण किया गया।
2. विवेचनात्मक- रोजगार और अनुवाद के क्षेत्रों का विवेचन किया गया।
3. विश्लेषणात्मक - अनुवाद और रोजगार संबंधी जानकारी का विश्लेषण किया गया।
4. संशोधनात्मक -अनुवादक संबंधी रोजगरों का संशोधन किया।

बीज शब्द:अनुवाद, भाषा,रोज़गार, ज्ञान, विज्ञापन,साहित्य, विश्व, क्षेत्र, वैश्वीकरण,मीडिया, भूमंडलीकरण ।

प्रस्तावना:

वर्तमान युग ज्ञान-विज्ञान, तंत्रज्ञान तथा नवनिर्माण का युग है। मनुष्य को आज रोजगार संबंधी विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी रखनी पड़ती हैं। अगर उसके पास विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी नहीं है, तो वह पिछड़ा हुआ माना जाता है। अनुवाद से पूरे विश्व का ज्ञान सबको परोसा जा सकता है। अनुवाद एक सामान्य शब्द है। अनु का अर्थ है , पीछे और

वद का अर्थ है बोलना ।इसप्रकार अनुवाद शब्द की उत्पत्ति है।अनुवाद सामग्री की मौखिक या लिखित अभिव्यक्ति है जिसे एक बार मौखिक या लिखित भाषा के माध्यम से व्यक्त किया जाता है , उसी भाषा में या किसी अन्य भाषा के माध्यम से दोहराया जाता है। अनुवाद के बल पर संत तुकाराम सर्वव्यापी हो गयेतथा खुशवंत सिंह के अंग्रेजी उपन्यास 'ट्रेन टू पाकिस्तान 'का अन्य भाषाओं में अनुवाद होने के कारण वह कृति देश के कोने -कोने तक पहुंची। साथ ही 'साहित्य में 'गीतांजलि'का अनुवाद होने से नोबेल विजेता 'रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी' की विश्व में पहचान बनी।' इससे अनुवाद की ताकद का अंदाजा लगाया जा सकता है ।अनुवाद पहचान बनाने का काम कर रहा है ।भारत जैसे बहुभाषा-भाषी राष्ट्र में कई भाषाएँ बोली, लिखी और पढ़ी जाती है। अनुवाद विभिन्न भाषाएं तथा संस्कृतियों के सेतू बंधन का कार्य कर रहा है,जिससे विश्व संस्कृति का विकास हो रहा है। माना जाता है कि विश्व में प्रत्यक्ष व्यवहार के रूप में लगभग 700 भाषाओं का प्रयोग किया जाता है। देश विदेश की विभिन्नसंस्कृतियों को पिरोने का काम अनुवाद द्वारा संभव हो रहा है ।अनुवाद के माध्यम से हमारी संस्कृति का डंका पाश्चात देशों में बज रहा है। स्थान विशेष के अनुसार विभिन्न भाषाओं केसाहित्य में ज्ञान,शिक्षातथासंस्कृति के मौलिक तत्वों की जानकारी भरी पडीहै।निरंतर अनुवाद कार्य से अनुदित साहित्य में प्रगल्भता आ जाती है ।जिसके पास अनुवाद करने की कला है, वहअनुवादक के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकताहै।

अनुवाद के पाठानुवाद ,माध्यम अनुवाद तथा मौखिक अनुवाद यह तीन आयाममाने जा सकते है।

पाठानुवाद: पाठानुवाद के अंतर्गत साहित्यिक ,साहित्येत्तर(शिक्षा,शब्दकोश निर्माण ,वैज्ञानिक एवं तकनीकी,वाणिज्य, विज्ञापन,सूचना एवं संचार में , प्रशासनिक एवं कानूनी /विधि, मानविकी, समाज शास्त्रीय विषय , कृषक क्षेत्र,मीडिया क्षेत्र, आकाशवाणी क्षेत्र,वेबासाईट व ब्लाग)आदि क्षेत्र आते है।

साहित्यिक अनुवाद: आज हमारे भारत जैसे बहुभाषिक देशमें अलग-अलग भाषाओं की श्रेष्ठ रचनाओं को हम अनुवाद के माध्यम से एक भाषा से दूसरी भाषा में ले जा सकते है। जिससे किसी भी भाषा की महान रचना की जानकारी अनुसंधानकर्ता तथा छात्रों को और साहित्यप्रेमियों को पढने के लिए मिल सकती है। इसी कारण वह रचना किसी एक भाषा में सीमित न रहकर सभी भाषाओं में अनुवाद के माध्यम से पहुँच सकती है। साहित्यिक अनुवाद में काव्यानुवाद ,नाटकानुवाद, कथा साहित्य का अनुवाद आता है, साथ ही साथ अन्य गद्य रूपों में जीवनी, आत्मकथा,

निबंध, आलोचना, डायरी, रेखाचित्र, संस्मरण आदि विधाओं का अनुवाद किया जाता है। जैसे काशीनाथ सिंह का 'अपना मोर्चा'उपन्यास का अनुवाद कोरियाई भाषा में हुआ है। साथ ही भीष्म साहनी का 'तमस' उपन्यास मराठी भाषा में चंद्रकांत पाटीलजी ने अनुवाद किया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कई प्रकाशन संस्थाएँ हैं , जो श्रेष्ठ पुस्तकों के अनुवाद के लिए अनुवादक की मांग करती है। ऐसी प्रकाशन संस्थाएँ तथा साहित्य अकादमी प्रादेशिक भाषाओं में से हिन्दी में अनुवाद के लिए प्रति शब्द धनराशि भी देती है। साहित्य अकादमी , दिल्ली, राज्य स्तर की साहित्य अकादमियाँ तथा साहित्य परिषदें भी श्रेष्ठ पुस्तकों का अनुवाद करवाती हैं।इसमें रोजगार के सुअवसर प्राप्त है लेकिन शर्त यह है कि अनुवाद करने के लिए अनुवादक का स्रोत और लक्ष्य भाषा प्रयोग पर प्रभुत्व अनिवार्य है। साथ ही अनुवाद कला में माहीर होना आवश्यक है।

साहित्येत्तर अनुवाद :

शिक्षा क्षेत्र: वर्तमान में शिक्षा क्षेत्र ग्लोबल हो गया है। आज संसार में इंटरनॅशनल पाठ्यक्रम का स्कूल और कॉलेज में प्रचलन हो रहा है। विद्वानों के मतानुसार छात्रों को राष्ट्रीय तथा वैश्विक ज्ञान से जोडने का प्रभावी साधन अनुवाद है। डॉ.अंबादास देशमुख जी का कथन है- "विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों के संस्थानों में जो पूर्णकालिक अनुवाद हो रहा है, वे उक्त शोधकार्य का अनुवाद कार्य कर रहे हैं। सामान्य रूप से विज्ञान एवं प्राद्योगिकी केंद्रों के अनुवादक सामान्य वैज्ञानिक विषयों के विद्वान होते हैं।" [1]अनुवाद वह सीढी है, जिसके बलबूते पर संपन्नता की बुलंदियों को छू सकते है। अत:अनुवाद प्रमुखतासे ज्ञानार्जन और विज्ञानार्जन का साधन है।

शब्दकोश निर्माणक्षेत्र: शब्दकोशोंद्वारा भाषा संबंधी अनेक बातों को सुलझाने में मदद होती है। कोशों के भी शब्द, साहित्य, पर्याय, मुहावरे, कहावते और विश्वकोश आदि प्रकार पाए जाते है।वर्तमान में शब्दकोशों का अनुवाद संस्थानों द्वारा हो रहा है, जिससे हमें किसी भी शब्द के जड तक पहुँचाने में सहायता मिलती है। जैसे , शब्द की उत्पत्ति, उसका व्याकरण, उसका प्रयोग आदि पद्धति से शब्दकोश सहायता देने का काम करते है। यहाँ पर विद्वान , ज्ञानी तथा भाषा शास्त्र में रूचि रखने वाले लोगों को काम करने का अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद :तंत्रज्ञान की दुनिया मेंविकसित तथा विकासशील दोनों देशों के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की अत्यंत आवशकता होती है। इस प्रकार के अनुवाद से हर देश के वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान की जानकारी प्राप्त होती है। रोज़गार की दृष्टि से इस क्षेत्र में भी स्वर्णिम अवसर है।

वाणिज्य अनुवाद :भूमंडलीकरण और उदारीकरण के इस युग में यह विश्व व्यापार का परिवार बना हुआ है। वाणिज्यानुवाद में व्यापार, उद्योग धंधे, फिल्म, विज्ञापन, बँक, पर्यटन आदि समाहित है। माल की खपत और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिये अनुवाद करके जानकारी तथा सामग्री को विभिन्न भाषाओं में लाना पडता है।

विज्ञापन क्षेत्र में अनुवाद: विज्ञापन के क्षेत्र में आज हिन्दी और हिन्दी से अन्य भाषाओं में अनुवाद करने वालों की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकतर विज्ञापन अंग्रेजी और अन्य भाषा में भी होते हैं। विशेषकर मोबाईल कंपनियों ने हिन्दी जानने वालों को अधिक से अधिक रोजगार दी है , जैसे एयरटेल, डोकोमो, नोकिया तथा रोज काम आने वाली वस्तुएँ जैसे चाय पाउडर , सेंट, हारलेक्स, बोरन्वीटा आदि वस्तुओं की बिक्री हर राज्य में हो इसके लिए अनुवादक चाहिए।“किसी भी उत्पाद को बेचने के लिए वाचिक और लिखित रूप में विज्ञापन प्रणाली के द्वारा उस उत्पाद का प्रचार किया जाता है। यह प्रचार सामग्री के अनेक भाषाओं में पेशेवर विज्ञापन विशेषज्ञ तैयार करते हैं। विज्ञापन का बाजार अनुवाद पर ही आधारित होता है” [2] विज्ञापनों के संवाद तथा अलंकृत पंक्तियां तैयार कर अनुवाद करनेवाले धनार्जन कर रहे हैं।विज्ञापन की दुनिया अपनी चरम पर है। विज्ञापन ने प्रिंट मीडिया और बाजार का हर क्षेत्र घेर लिया है। विज्ञापन को आकर्षक तथा उपभोक्ताओं के मस्तिष्क पर राज करने के लिए विभिन्न भाषाओं का सहज, सरल , प्रभावपूर्ण तथा ग्येयतापूर्ण प्रयोग अनुवादक अपने हुनर से कर रहे हैं। भारत जैसे बहुढंगी तथा बहुभाषी देश में इस क्षेत्र में भरपूर मात्रा में रोजगार के अवसर है।

सूचना एवं संचार में अनुवाद: सूचना एवं संचार क्षेत्र में राजनीति, व्यापार, खेल, दूरदर्शन, रेडिओ, समारोह संचालक तथा जीवन संबंधी समस्त कार्यकलापों एवं विषयों से संबंधित सामग्री का अनुवाद किया जाता है। सूचना एवं संचार में प्रादेशिक भाषा, राजभाषा , विदेशी भाषा का अनुवाद करना आवश्यक होता है।

प्रशासनिक एवं कानूनी / विधि अनुवाद : भारत बहुभाषी राष्ट्र होने के कारण प्रशासनिक एवं कानूनी क्षेत्र में ज्यादातर तकनीकी भाषा का प्रयोग किया जाता है। प्रशासनिक एवं कानूनी क्षेत्र में हर जाति ,धर्म, पंथ तथा विभिन्न

भाषी लोग समाहित होते हैं। इस क्षेत्र में कुशल अनुवादक मानक कार्य कर रहे हैं, परिणामत: रोजगार निर्माण हो रहे हैं।विधि अनुवाद में विधिभाषा संबंधी या कानून की सामग्री का दूसरी भाषा में अनुवाद किया जाता है। विधिअनुवाद विभिन्न साहित्य के अध्येता या शोधार्थी के लिए जरुरी बन गया है। विधिभाषा का ज्ञान रखनेवालो को निश्चित रूप से इस क्षेत्र में रोजगार की संभावना है।

मानविकी, समाज शास्त्रीय विषयों का अनुवाद :मानविकी, समाज शास्त्रीय विषयों का अनुवाद शैक्षिणिक आवश्कताओं को सामने रखकर किया जाता है। जिसमें समाजशास्त्र, इतिहास, नृतत्व विज्ञान, अर्थशास्त्र आदि विषयों के पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद कार्य करना कठिन होता है, अत: भाषा संस्थाओं द्वारा अनुवाद कार्य के लिए रोजगार उपलब्ध है। “समाजाची भाषा मंदपणे पण सतत बदलत असते त्याचा परिणाम म्हणून अगदी शिकलेल्या माणसाला पाचशे वर्षांपूर्वी छापलेले (त्या काळात लेखीभाषेत वापरले जाणारे) शब्द नीट वाचता येत नाहीत आणि त्यांचा धड अर्थही कळत नाही.”[3] समाज की भाषा में धीरे धीरे परिवर्तन होता रहता है। ऐसे समय में अनुवाद सहायक सिद्ध होता है।

कृषक क्षेत्र:भारतीय सभ्यता और समाज कृषि व्यवस्था पर ही आधारित है। आज भी 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषियों से सम्बधित व्यवसायों में जुड़ी है। इस्राईल जैसे प्रगतशील खेती करने वाले लोगों के अनुभव अनुवाद के माध्यम से भारतीय किसानों के सामने हम रख सकते है। जिससे कम पानी में खेती कैसे की जा सकती है , यह बात भारतीय किसानों के लिए फायदेमंद सिद्ध हो सकती है। अनुवाद वह माध्यम है, जिससे हर भाषा का कृषक ज्ञान अनेक साप्ताहिक, मासिक पत्रिकाओं द्वारा किसानों मिल सकता है। साथ ही अलग-अलग प्रकार से कृषि क्षेत्र के लिए सहायता देने वाले संस्थान होते हैं, उनका लाभ किसानों को मिल सकता है। भारतीय किसानों को अनुवाद के माध्यम से विदेशी खेती के नये-नये प्रयोगों की जानकारी दे सकते हैं।

मीडिया क्षेत्र:आज तंत्रज्ञान की प्रगति ने मीडिया क्षेत्र में क्रांति लायी है। इसमें दृक-श्राव्य मीडिया का स्थान महत्वपूर्ण है। जनतंत्र का यह महत्वपूर्ण चतुर्थ स्तंभ माना जाता है।भारतीय प्रसारण और सूचना तंत्र का समूचा बाजार 82 प्रतिशत हिंदी भाषा के नियंत्रण में हैऔर शेष पर अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय प्रादेशिक भाषाओं का नियंत्रण है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में हिंदी बोलने और समझने वालों की संख्या बडी मात्रा में है। इस बात का ध्यान मीडिया ने भी

रखा है।विश्व स्तर पर विभिन्न भाषाओं में कई समाचार पत्र प्रकाशित होते हैं। जैसे -"चीन की'चीनसचित्र', जापान की 'सूर्योदय',नेपाल की 'प्रतिध्वनि', 'सही रास्ता', 'जन चेतना', बर्मा की 'प्राची', 'कलश',श्रीलंका की 'जनता', 'लंकादीप', रूस की 'युवक दर्पण', त्रिनिनाद की 'कोहिनूर', फिजी की 'शांतिदूत',कनाड़ा की 'विश्वभारती' आदि।"[4] इन समाचार पत्रों और समाचार ऐजंसियों को अच्छे अनुवादकों की जरुरत पड़ती हैं, जो हिन्दी में से अन्य भाषाओं में तथा प्रादेशिक और विदेशी भाषाओं में से हिन्दी में अनुवाद कर सके। पत्रकारिता अपने हुनर और कौशल पर टीका हुआ रोजगार है। भारत में ही नहीं विदेशों में भी हिन्दी पत्रकारिता की धूम मची हुई है।

आकाशवाणी:आकाशवाणी संविधान मान्य प्रमुख 22 भाषाओं में अपने कार्यक्रमों का प्रसारण करती है। अत : आकाशवाणी जैसे एक संगठन के लिए एक भाषा से दूसरी भाषा में प्रसारण सामग्री के अनुवाद का आश्रय लेना अनिवार्यत: आवश्यक हो जाता है। यह क्षेत्र रोजगार प्राप्ति के लिये विस्तृत फलक है।

वेबसाईट व ब्लाग :इंटरनेट की दुनिया मेंवेबसाईट व ब्लाग पर विद्वजन अपना मौलिक ज्ञान परोसते रहते हैं। विभिन्न भाषाओं की सामग्री अनुवाद से हिन्दी तथा अन्य भाषाओं में प्राप्त हो सकती है।

माध्यम अनुवाद:वर्तमान युग में मनोरंजन का अपना महत्त्व है।माध्यम अनुवादके अंतर्गत फिल्मों की डबिंग, साहित्य से फिल्म बनाना, साहित्य से नाट्यरूपांतरकरना आदि माध्यमों से भी रोज़गार मुहैया कराया जा सकता है। अनुवाद जन समुदाय के बीच ज्ञान का द्वार खोलने का माध्यम है। "भारत जैसे बहुभाषी देश में तो अनुवाद की उपादेयता स्वयंसिद्ध है। भारत को विभिन्न प्रदेशों के साहित्य में निहित मूलभूत एकता के स्वरूप को निखारने के लिए 'अनुवाद'ही एकमात्र अचूक साधन है। इस तरह अनुवाद द्वारा मानव की एकता को रोकनेवाली भौगोलिक और भाषिक दीवारों को ढहाकर विश्वमैत्री को और भी सुदृढ़ बना सकते है। "[5] अनुवाद के कारण बहुभाषी फिल्मों , नाटकों,तथा मनोरंजनात्मक कार्यक्रमों ने देश विदेश की भौगोलिक सीमाएं लांघ दी है। विभिन्न कार्यक्रमों के निर्माण, प्रसारण, संचालन व अभिनय के क्षेत्र में आज पहले से अधिक अवसर उपलब्ध है। कई हिट फिल्मों का डबिंग , डबिंग-आर्टिस्ट के माध्यम से किया जाता है। प्रोड्यूसर , निर्देशक देश की सीमाओं को लांघकर विदेशों में भी अपनी फिल्में प्रदर्शित करते हैं, तो वह डबिंग के माध्यम से ही है। रिंग ऑफ दी गॉड, हेरी पौटर, टाईटेनिक, लूसी,नर्निया जैसी

अंग्रेजी फिल्मेंतथारोबोट, अवतार, बाहुबलि दक्षिण के फिल्मों ने देश-विदेश में धूम मचा दी है। इस अनुवाद में विधिवत प्रशिक्षण लेकर रोज़गार प्राप्त किया जा सकता है।

मौखिक अनुवाद:मौखिक अनुवाद में दुभाषिए के माध्यम से पर्यटन तथाराजनीति का क्षेत्र मेंरोज़गार मिल सकता है। पर्यटन के क्षेत्र में कोई विदेशी प्रवासी भारतवर्ष घूमने के लिए आते हैं , तो वह ऐतिहासिक स्थलों के नाम से तो परिचित होते हैं, परंतु इन स्थलों के इतिहास से वह परिचित नहीं होते।ऐसी स्थिति में वह टूरिस्ट गाईड (जो बहुभाषा-भाषी है) के माध्यम से इन चीजों से अवगत हो सकते हैं। दूभाषियाँ अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रेंच , जर्मन, चीनी, जापानी आदि विदेशी तथा कन्नड, तेलगु, मलयालमआदि देशी भाषाएँ जानता है, तो पर्यटन का क्षेत्र उसके लिए आजीविका प्राप्त करने का साधन बन सकता है। इसी प्रकार एक देश का राजनीतिक दल किसी दूसरे देश के राजनीतिक दल से किसी मुद्दे पर चर्चा-विमर्श करता है , तब दोनों दल भिन्न भाषा-भाषी होते हैं , जो अपने साथ लाए हुए दुभाषियों का सहारा लेते हैं। वर्तमान में अनुवाद के महत्त्व को समझते हुए हर देश की सरकार ने अनुवाद के लिए एक स्वतंत्र विभाग की स्थापना की है। जिसमें केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो , नई दिल्ली, भारतीय अनुवाद परिषद, ट्रान्सलेटर सोसायटी ऑफ इंडिया, कोलकाता, विभिन्न विश्वविद्यालयों के अनुवाद विभाग आदि संस्थाएँ अनुवाद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहीं हैं। "अनुवाद एक ऐसा सेतू बंधन का कार्य है, जिसके बिना विश्व संस्कृति का विकास संभव नही है "।[6] निच्छित रूप से विश्व को जोड़नेवाला सेतु अनुवाद है।

पर्यटन क्षेत्र: मनुष्य हमेशा नवनूतन तथानवनिर्माण देखना चाहता है।यातायत के साधनों की भरमार के कारण पर्यटन क्षेत्र, धार्मिक क्षेत्र और पढ़ाई के लिए नये-नये स्थानों को हमेशा भेंट देते हुए नजर आता है। आज भारत जैसे देश मे अनेक विदेशी पर्यटक पढ़ाई के लिए हो या मन बहलाने के लिए क्यों न हो भारत के ऐसे इलाकों में घूमना पसंद करता है। अतः अनुवादक पेशे का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र पर्यटन का क्षेत्र है। यहाँ काम करने वाले लोगों को स्थानीय भूगोल , संस्कृति, सभ्यता एवं इतिहास की अच्छी जानकारी रखनी पडती है।गाईड के रूप ऐसे जानकारी रखने वाले युवाओं की आवश्यकता है। जो विदेशी लोगों को उनकी भाषा में यहा की जानकारी दे सके ।"अनुवाद मानव की मूलभूत एकता की व्यक्ती चेतना एवं विश्व चेतना के अद्वैत का प्रत्यक्ष प्रमाण है।" [7] अनुवाद न सिर्फ राष्ट्रीय मानवता को सुदृढ करता है, बल्कि विश्व बंधुत्व की स्थापना भी करता है ।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अत : भारत सरकार तथा राज्य सरकारोंके नियंत्रणाधीन उपक्रमों (भेल , गेल, एनटीपीसी, एन एस पीसी , पावरग्रिड, आई ओसी , ओएनजीसी, आदि) सेना , सशस्त्र बलों , अर्ध सैनिक बलों , आईटीबीपी निकायों , निगमों, बैंकों, न्यायालयों, विश्वविद्यालयों, भारतीय प्रबंधन और प्राद्योगिक संस्थान , नवोदय विद्यालय , केंन्द्रीय विद्यालय , ई.एस.आई. चिकित्सालय आदि में हिंदी अधिकारी और हिंदी अनुवादकों की आवश्यकता होती हैं।

निष्कर्ष:

वैश्वीकरण के दौर में युवाओं के लिए अनुवाद के क्षेत्र में नए अवसर लेकर आया है। अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव , भाषा, संस्कृति और साहित्य का आदान-प्रदान हो रहा है ।सफल वैश्विक उद्यमियों की आत्मकथाएँ अपने अनुवाद कौशल के कारण दुनिया भर के उद्यमियों के लिए मार्गदर्शक बन रहीं हैं। वैश्विक सूचना एवं प्रौद्योगिकी तथा मीडिया क्षेत्रों में भाषाई परिवर्तन के कारण अनुवाद कौशल ने नये आयाम प्राप्त किये हैं। व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में विभिन्न संगठनों में युवाओं को नये अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। आज ट्रांसलेशन आपको दुनिया भर के बहुभाषी लोगों की संस्कृति , शिष्टाचार, विचार जीवन , साहित्य, संगीत, कला, दर्शन, सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक स्थितियों का अनुभव करने की अनुमति देता है। वैश्विकरण केइस दौर में हिन्दी जैसी कई भाषाएँ सृजनात्मकता से रोज़गारोन्मुख की ओर तीव्र गति से बढ़ रही है। अनुवादकला आज रोज़गार देने में और अधिक सक्षम बनती जा रही है। उसमें भी अनुवादक का क्षेत्र रोज़गार प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। बेरोजगारों के लिये मानो अनुवाद संजीवनी है। अनुवाद को संस्कृति तथा ज्ञान का वाहक कहा जाता है। अनुवाद संस्कृतियों को जोडने का काम करता है। भाषिक सिमाओं को लांघने के लिए अनुवाद सहायक सिद्ध हुआ है ।सूचना एवं प्राद्योगिकी के विकास में अनुवाद की महत्तम भूमिका है। दोभाषिये राज्य,राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुभाषिये के रूप में रोजगार की अत्यधिक संभावना है। साथ ही साथ प्रशासन,शैक्षिक संस्था एं , सरकारी संघटन, न्यायालय, गुप्तचर विभाग, किताब अनुवाद , विज्ञापन, मीडिया, कॉलसेंटर, पर्यटनव्यवसाय, उद्योग, होटल प्रबंधन, एयरलायांस,पर्यावरण उद्योग,राजनीतिक भाषण तैयार करना, निवेदक, पत्रकारिता,राजभाषा अधिकारी तथा विदेशी कंपनियोंमें रोजगार की असीम संभावनाएं है। जब रोजगार का प्रश्न युवकों के सामने खडा होता है, तो अनुवाद एक बहुत बडा विकल्प बन सकता है। देश की अस्मिता हेतु संसद , उच्चतम न्यायालयों में , सरकारी अर्ध सरकारी

कार्यालयों में, विदेशी सचिवालयों में हिंदी में कामकाज पर जोर दिया जा रहा है।अभियांत्रिकी, विधि विद्याशाखाओं में भी अनुवाद हेतु प्रयास करने चाहिए। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों को ऐसा पाठ्यक्रम दिया जायजिससे संवेदना , निरीक्षणक्षमता, कल्पनाशीलता , मूल्यवर्धिता आदि गुण विकसित हो जिससेसृजनात्मक साहित्यकार या अच्छा अनुवादक साबित हो। अत: निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि जो कुशल अनुवादक है या अनुवाद कला में माहीर है, वे पैसों का अर्जन तथा रोजगार बडी मात्रा में प्राप्त कर सकते हैं।

संदर्भसूची:

1. डॉ. अंबादास देशमुख , प्रयोजनमूलक हिन्दी: अधुनातन आयाम,पृष्ठ .481
2. प्रो. एम. वेंकटेश्वर- साहित्यकुंज वैश्वीकरण के परिदृश्य में अनुवाद की भूमिका, ISSN-2292:4754
3. संदीप नूलकर, अनंत मनोहर (अनुवादक)- अनुवाद एक उज्ज्वल करिअर (अनुदित); कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे,पृष्ठ .18
4. शब्द ब्रह्म, शोध पत्रिका, पृष्ठ 35
5. डॉ. दानबहादूर पाठक 'वर' 'अनुवाद विज्ञान' हरीश विश्व विद्यालय ,प्रकाशन आगरा, पृष्ठ क्र. 05
6. जी. गोपीनाथन- अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ,पृष्ठ .14
7. अनुवाद की महत्ता एवं आवश्यकता,www.scotbuzz.org,December 11, 2017